an>

Title: Regarding alleged involvement of a former Prime Minister of the Country in the Bofors deal.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।...(व्यवधान) एक बहुत महत्वपर्ण मुद्दा टी.वी. चैनल के माध्यम से सामने आया है।...(व्यवधान) लिंडस्टॉर्म करके एक व्यक्ति है, जिसने बोफोर्स की इन्वेस्टिगेशन की थी।...(व्यवधान) उसके मुताबिक अभी ऐसा सामने आया है कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और...* जो स्वीडन के प्रधानमंत्री थे, उनके बीच में लेन-देन हुआ और उस लेन-देन के जो दस्तावेज थे, वे आज भी भारत सरकार के डिब्बों में बन्द हैं।...(व्यवधान) क्योंकि स्विटजरलैंड के बैंक्स ने कुछ काम किया था।...(व्यवधान) उन दस्तावेजों के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई।...(व्यवधान) जो लैटर रोगेटरी भेजा गया था, उसके ऊपर कार्रवाई नहीं हुई।...(व्यवधान) और लगातार यह कहना कि 30 साल पुराना मुद्दा है, गड़े मुर्दे नहीं उठाने चाहिए।...(व्यवधान) मेरा यह मानना है कि गड़े मुर्दे जब तक सही तरीके से विधिवत तरीके से दफन नहीं होते, तो वे भूत-पिशाच बनकर घूमते रहते हैं।...(व्यवधान) आज के समय पर बोफोर्स का जो जिन्न है, वापस बोतल से बाहर आ गया है।...(व्यवधान) जो बोफोर्स बोतल से बाहर आया है, उसका विधिवत दफन होना चाहिए।...(व्यवधान) विधिवत दफन तभी हो सकता है, जब उसकी जानकारी पूरे देश को प्राप्त हो।...(व्यवधान) हम सब लोग इस मामले की दोबारा से जानकारी चाहते हैं।...(व्यवधान) भ्रष्टाचार का इतना बड़ा मुद्दा टी.वी. चैनल्स पर आ गया।...(व्यवधान) मुझे तो याद है कि वर्ष 1990 में जब मैंने वकालत ज्वाइन की तो...* की कोर्ट के अन्दर यह मामला चल रहा था और किस तरीके से जमानत दी जा रही थी, जबकि वह जमानत का केस नहीं था।...(व्यवधान) बहुत-बहुत धन्यवाद।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. वीरेन्द्र कुमार,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अर्जुन लाल मीणा

श्री आलोक संजर,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री रामचरण बोहरा,

श्री हरीश मीना,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री राहुल कस्वां,

श्री हरिओम सिंह राठौड़,

श्री शरद त्रिपाठी,

डॉ. सत्यपाल सिंह,

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्री अनुराग सिंह ठाकुर और

श्री ए.टी.नाना पाटील को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)